

पाठ योजना-नवंबर

माह - नवंबर

कक्षा - पाँच

विषय - हिंदी

पाठ - पाठ - (साहित्य) जिओ और जीने दो (प्रेरणात्मक कहानी) , बहुमूल्य पत्थर ।

कविता - जल ही जीवन है, पठित काव्यांश

व्याकरण - कारक

रचना- अपठित गद्यांश

अक्तूबर माह - वर्कशीट बुकलेट

अपठित गद्यांश

प्र०१- (ख) सूरज

प्र०२- इसकी पत्तियाँ 7 सेमी से 30 सेमी लंबी होती हैं और डाली कमज़ोर होती हैं।

प्र०३- सूरजमुखी के तेल को खाना पकाने के लिए तथा बायोडीज़ल बनाने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

प्र०४- निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए-

१. पत्ती - पत्तियाँ , पत्तियों से

२. आँख - आँखें , आँखों में

प्रश्न २ -अपठित गद्यांश के उत्तर

i) असलम के हाथ में क्या था?

उ० असलम के हाथ में दो सौ रुपए थे ।

(ii) किसकी तबियत कुछ ठीक नहीं थी ?

उ० असलम की अम्मी की तबियत कुछ ठीक नहीं थी ।

(iii) अम्मी ने असलम को नए कपड़े लेने कहाँ भेजा ?

उ० अम्मी ने असलम को नए कपड़े लेने रहीम चाचा की दुकान पर भेजा।

(vi) दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप गद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए -

(क) रुपया - रुपए

(ख) इकट्ठा - इकट्ठे

(ग) कपड़ा - कपड़े

(घ) दुकान - दुकानें

साहित्य - जिओ और जीने दो

शब्दार्थ + वाक्य

१. मूर्छित - बेहोश

वाक्य - चोट के कारण मीरा मूर्छित हो गई ।

२. अद्भुत-अनोखा

वाक्य - आज मैंने एक अद्भुत सपना देखा

३. प्रभावशाली - असरदार

४. शाखा - टहनी / डाली

व्याकरण - विलोम शब्द

१. अपना x पराया

२. स्वतंत्रताxपरतंत्रता

३. सुरक्षित xअसुरक्षित

४. बाहरxअंदर

पर्यायवाची शब्द-

१. घोड़ा - अश्व, तुरंग ।

२. भूमि - धरती, वसुधा ।

३. हवा - वायु, पवन ।

मौखिक कार्य (अति लघु प्रश्न) - पृष्ठ ४३ पाठ्य पुस्तक में ही करवाया जाए ।

किसने , किससे कहा ? - पृष्ठ ४३ पाठ्य पुस्तक में ही करवाया जाए ।

लघु प्रश्न - उत्तर

प्र० १. बारहसिंगा ने राजा से लोगों को क्या सिखाने के लिए कहा ?

उत्तर - बारहसिंगा ने राजा से कहा, "तुम अपने लोगों को सिखाओ कि किसी जीव, पशु आदि को हानि न पहुँचाया करें और न ही किसी प्राणी को मारें ।"

प्र० २. क्या राजा तीसरे तीर से बारहसिंगा को मार सका ? यदि नहीं, तो फिर राजा ने क्या किया ?

उत्तर - नहीं, राजा बारहसिंगा को नहीं मार सका। जब तीसरे तीर से बचकर बारहसिंगा भागने लगा, तब राजा ने भी उसका शिकार करने के लिए उसका पीछा करना शुरू कर दिया ।

प्र० ३. राजा ने बारहसिंगा से क्या सीखा ?

उत्तर - राजा ने बारहसिंगा से स्वयं जीने और अन्य प्राणियों को जीने देने का संदेश सीखा।

विस्तृत प्रश्न - उत्तर

प्रश्न १. बारहसिंगा की विशेषताएँ क्या थी ?

उत्तर - बारहसिंगा बहुत ही सुंदर था । वह चित को आकर्षक करनेवाला और हृष्ट-पुष्ट था । वह बहुत शोभायमान और गौरवशाली दिखता था। उसके नेत्र बड़े, भूरे तथा शिष्टपूर्ण थे । उसकी खाल कोमल और मखमल जैसी थी । उसके शाखादार सींग घुमावदार और प्रभावशाली थे ।

प्रश्न २. राजा कैसे अपने राजमहल सुरक्षित लौटा ?

उत्तर - बारहसिंगा का पीछा करते हुए राजा अचानक एक में दलदल में फँस गया । वह मदद के लिए चिल्लाने लगा । उसकी आवाज़ सुनकर बारहसिंगा वापस उसके पास आया और उसे दलदल से बाहर निकाला । उसके बाद राजा को अपनी पीठ पर बैठाकर उसे राजमहल पहुँचाया ।

भाग - ब

मूल्यपरक प्रश्न -

प्रश्न१. इस कहानी से आपको क्या सीख मिलती है ? इसे अपने शब्दों में लिखिए।
इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि स्वयं जीओ और अन्य प्राणियों को भी जीने दो । किसी जीव, पशु आदि को हानि नहीं पहुँचाना चाहिए और न ही किसी प्राणी को मारना चाहिए ।”

भाग - ब - मेरे प्रश्न और मेरे कठिन शब्द कोई चार छात्र पाठ के समाप्त होने पर उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे ।

छात्र स्वयं करेंगे ।

पाठ्य पुस्तक— पृष्ठ ४४ (MCQs), ४५ ,४६, पृष्ठ ४७ प्रश्न ६ पाठ्य पुस्तक(Text Book) में करवाए जाएंगे।

जल ही जीवन है (कविता)

कविता की प्रथम ८ पंक्तियाँ उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे और याद करेंगे ।

पाठ्य पुस्तक— पृष्ठ १०४(MCQs), प्रश्न १ (भाषा ज्ञान), १०६(MCQs), १०७(MCQs)पाठ्य पुस्तक(Text Book) में करवाए जाएंगे ।

वर्कशीट बुकलेट पृष्ठ - ८ ,term 2 (अर्थबोध-पठित काव्यांश)

प्रश्न १. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्र०.१ (ख) मधुर

प्र०.२. गिरता

प्र०.३ जल ही जीवन है

व्याकरण - कारक

मीरा ने अंकित के लिए कलम खरीदी ।

भिखारी को रोटी दो ।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द संज्ञा शब्दों का संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से बता रहे हैं ।
यदि वाक्यों से संबंध बताने वाले इन शब्दों को हटा दिया जाए तो, वाक्य अर्थहीन हो जाएंगे ।
जैसे -

मीरा अंकित कलम खरीदी ।

भिखारी रोटी दो ।

ने, के लिए, को आदि को कारक चिह्न , परसर्ग या विभक्ति चिह्न कहते हैं। ये वाक्य को अर्थपूर्ण बनाते हैं।

Above part of कारक is only of explanation

परिभाषा - जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम को क्रिया तथा अन्य शब्दों से जोड़ने का कार्य करते हैं, उन्हें कारक कहते हैं ।

कारक के भेद -

कारक	चिह्न	पहचान	पहचान के लिए प्रश्न	उदाहरण
कर्त्ता	ने	काम को करने वाला	कौन , किसने	राम खा रहा है । राम ने खाया ।
कर्म	को	—	क्या, किसको	राम ने कुत्ते को डंडा मारा ।
करण	से, के द्वारा, द्वारा, के साथ	जिसकी सहायता से काम हो	किससे	राम ने चम्मच से सूप पीया ।
संप्रदान	के लिए	जिसके लिए काम हो	किसके लिए	मामा जी मेरे लिए किताब लाए ।
अपादान	से	अलग होना , तुलना , डरना	किससे	मैं घर से भाग गया । रेखा से माधुरी अधिक अच्छा अभिनय करती है ।
संबंध	का, के, की, रा, ऐ, री	जिससे संबंध हो	किसका	राम की किताब , मेरा घर
अधिकरण	में, पर	आधार	किसमें , किस पर	किताब मेज पर रखी है । किताब अलमारी में है ।
संबोधन	संबोधन चिह्न हे, अरे, ओ आदि या संज्ञा जिस रूप से पुकारा जाए	जिससे कहा जाए	—	राम , इधर आओ । हे भगवान ! बचाओ ।

प्रश्न १. निम्नलिखित वाक्यों में उचित कारक चिह्न लगाकर उनके भेद लिखिए-

१. यह मोना किताब है ।
२. राम ने रावण मारा ।
३. संगीता ने साबुन हाथ धोए ।
४. चोर जेल भाग गया ।
५. माँ ने बेटे खिलौना खरीदा ।
६. दादाजी चारपाई बैठे हैं ।
७. राजू मकान उस तरफ़ है ।
८. प्रभु ! दया करो ।

- की - संबंध कारक
को - कर्म कारक
से - करण कारक
से - अपादान कारक
के लिए - संबंध कारक
पर - अधिकरण कारक
का - संबंध कारक
हे ! संबोधन कारक

प्र. २- रेखांकित पदों के कारक बताइए -

१. पिताजी <u>बच्चों के लिए</u> मिठाई लाए हैं ।	संप्रदान कारक
२. मेरे <u>हाथ से</u> घड़ी गिर गई	अपादान कारक
३. <u>पीयूष ने</u> पुस्तक पढ़ी ।	कर्ता कारक
४. <u>छत पर</u> बच्चे बैठे हैं।	अधिकरण कारक
५. लड़की <u>गेंद से</u> खेल रही है ।	करण कारक
६. <u>अरे रामू !</u> यहाँ आओ ।	संबोधन कारक

पाठ - बहुमूल्य पत्थर

सुंदर लेख उत्तर पुस्तिका में लिखकर चित्र बनाएँगे ।

शब्दार्थ + वाक्य

१. आरंभ - शुरुआत

वाक्य - मैं अपने दिन का आरंभ प्रार्थना से करती हूँ ।

२. गुप्तचर - जासूस

३. भाग्य - नसीब, किस्मत

४. प्रयत्न - कोशिश

२, ३, ४ वाक्य छात्र स्वयं लिखेंगे ।

विलोम शब्द-

१. धनी x निर्धन

२. कृतज्ञ x कृतघ्न

३. चढ़ना x उतरना

४. परिश्रमी x आलसी

पर्यायवाची शब्द-

१. मित्र - दोस्त, सखा ।

२. पक्षी - खग, विहग ।

३. पानी - जल, नीर ।

लघु प्रश्न - उत्तर

प्र० १. क्या उन तीनों मित्रों को कोई चिंता थी? यदि नहीं तो उनकी चिंता कौन करता था ?

उ०- नहीं, उन तीनों मित्रों को कोई चिंता नहीं थी । उनकी चिंता उनके पिता करते थे ।

प्र० २. भाग्य को परखने के लिए कौन-सा उपाय सूझा और वह उपाय किसने बताया ?

उ०- भाग्य को परखने के लिए पहाड़ों में जाकर बहुमूल्य पत्थर ढूँढने का उपाय सुझा। यह उपाय व्यापारी के बेटे ने बताया ।

प्र० ३. गुप्तचर पक्षी किसका था ? वह बार-बार क्या कह रहा था ?

उ०- गुप्तचर पक्षी गाँव के मुखिया का था । वह बार-बार कह रहा था, “इन लोगों ने बहुमूल्य पत्थर अपने अंदर छिपा रखे हैं ।”

विस्तृत प्रश्न - उत्तर

प्र० १. व्यापारी के पुत्र की बात सुनकर विद्वान के पुत्र ने क्या कहा ?

उ०- व्यापारी के पुत्र की बात सुनकर विद्वान के पुत्र ने कहा, “हाँ, यदि ऐसा है, तो हम तीनों को अपने-अपने पत्थर निगल लेने चाहिए । ऐसा करने से पत्थर हमारे शरीर के अंदर होंगे । तब कोई भी उनको चुरा न सकेगा।”

प्र० २. चोर ने तीनों मित्रों से मिलकर क्या कहा ?

उत्तर - चोर ने तीनों मित्रों से मिलकर कहा, “मेरे प्रिय मित्रों, क्या मैं तुम्हारे साथ रहकर यात्रा कर सकता हूँ? मैं अकेले यात्रा करते हुए डर रहा हूँ, क्योंकि इस जंगल में चोर हैं । ”

पाठ - बहुमूल्य पत्थर

- * शब्दार्थ+वाक्य - पृष्ठ संख्या ६३, अभ्यास पुस्तिका में करवाए जाएँगे ।
- * मौखिक कार्य - पृष्ठ संख्या ६३-६४, पाठ्य पुस्तक में करवाए जाएँगे ।
- * लिखित कार्य , किसने , किससे और कब कहा?- पृष्ठ संख्या ६४, अभ्यास पुस्तिका में करवाए जाएँगे ।
- * बहुविकल्प प्रश्न, खाली स्थान, विलोम शब्द - पृष्ठ संख्या ६५, पाठ्य पुस्तक में करवाए जाएँगे ।
- * विशेषण (वर्ग पहेली), वाक्य शुद्धि - पृष्ठ संख्या ६६, पाठ्य पुस्तक में करवाए जाएँगे ।
- * बहुविकल्प प्रश्न, सर्वनाम - पृष्ठ संख्या ६७, पाठ्य पुस्तक में करवाए जाएँगे ।
- * रचनात्मक गतिविधि पृष्ठ संख्या ६७, अभ्यास पुस्तिका में करवाए जाएँगे।

मेरे प्रश्न और मैंने क्या सीखा - अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।